

न्यायालय तहसीलदार (सदर) कानपुर नगर।

वाद सं०-598/10-11

महावीर सह०आ०स०

बनाम

श्रीमती रामलली

धारा-34/35 एल०आर० एक्ट ।

मौजा-बैरी अकबरपुर कछार कानपुर नगर।

निर्णय

प्रस्तुत नामान्तरण वाद प्रार्थी द्वारा पंजीकृत विक्रयपत्र के आधार पर प्रस्तुत करते हुए विक्रीत भूमि पर राजस्व अभिलेखों में अपना नाम अंकित किये जाने की प्रार्थना की है।

नियमानुसार इस्तहार जारी किये गये जो वाद तामीली शामिल पत्रावली हैं। किसी ओर से कोई आपत्ति प्रस्तुत नहीं हुयी। वादी को साक्ष्य का अवसर प्रदान किया गया। वादी द्वारा साक्ष्य में मूल बैनामा, नकल उद्घरण खतौनी व शपथपत्र प्रस्तुत किया गया। विक्रीत भूमि पर वादी का ही कब्जा व दखल है। विक्रेता अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं है। विक्रीत भूमि के०डी०ए०, सीलिंग, भूदान, पट्टा आदि की नहीं है।

मैंने पत्रावली का सम्यक् अवलोकन किया तथा उपलब्ध साक्ष्यों को पढ़ा। पत्रावली में उपलब्ध मूल बैनामा से आराजी निजाई का प्रार्थी के हक में विक्रय किया जाना सिद्ध है। अतएव वादी का नामान्तरण प्रार्थनापत्र स्वीकार किये जाने योग्य पाता हूँ। अतः वादी का नामान्तरण प्रार्थनापत्र स्वीकार किया जाता है।

आदेश

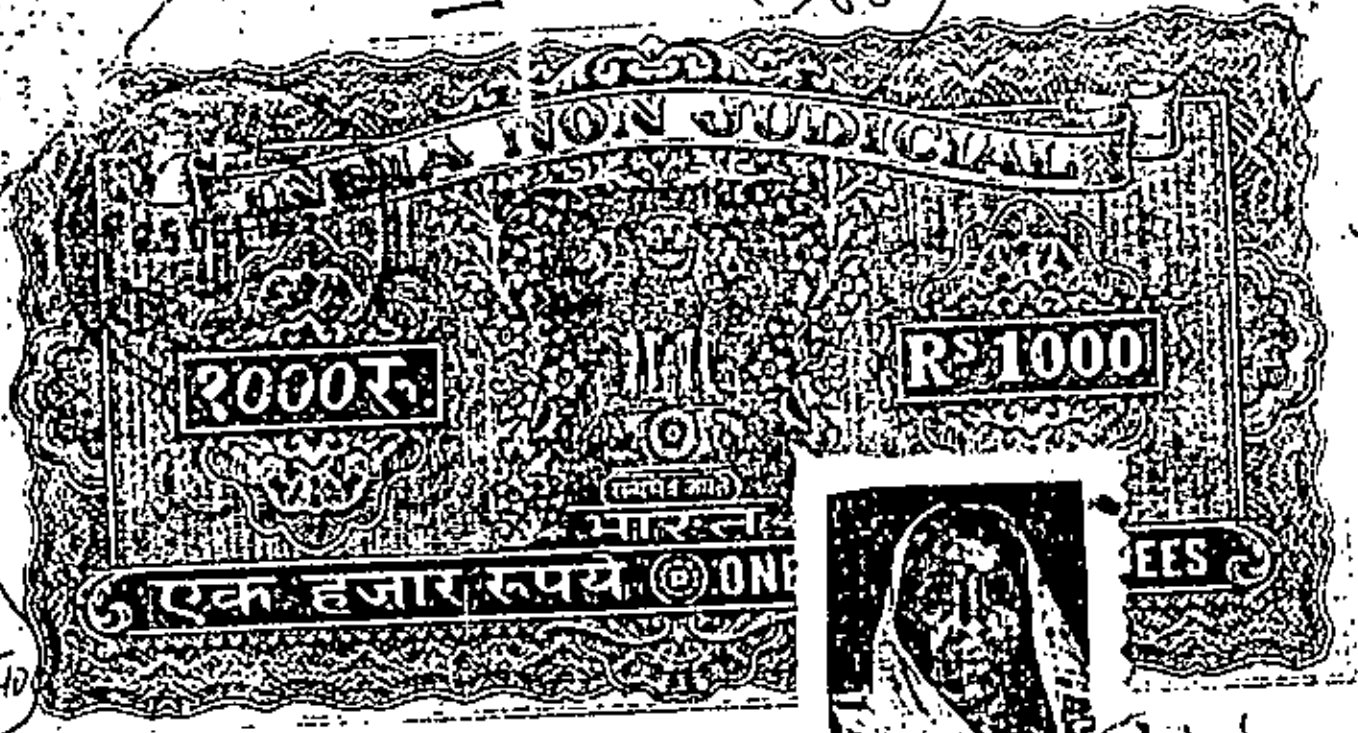
ग्राम बैरी अकबरपुर कछार की खतौनी वर्ष 1415 फ० लगायत 1420 फ० के खाता सं० 386 आराजी सं० 1044/0.328, 1090/0.051हे० कुल 2 किता कुल रकवा 0.379हे० के 1/4 भाग मालगुजारी 60ख से विक्रेती श्रीमती रामलली पत्नी सुरेन्द्र कुमार वर्मा निवासिनी म०न० 124/44बी ब्लाक गोविन्द नगर कानपुर नगर का नाम पृथक् करके पंजीकृत बैनामा दिनांक 07-08-2010 के आधार पर केता महावीर सहकारी आवास समिति लि० कानपुर नगर द्वारा सचिव श्री ए०के०जैन पुत्र श्री जे०के० जैन निवासी म०न० 73 आर०एस०पुरम काकादेव कानपुर नगर का नाम बतौर संकमणीय भूमिधर/सहकृषक दर्ज कागजात किया जावे। वाद अमल दरामद पत्रावली दाखिल दफतर की जावे।

दिनांक:- 8.2.11


तहसीलदार (सदर)
कानपुर नगर।

1000Rs

3607



Advocate
Court Compound, Kanpur

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

मन कि श्रीमती रामलक्ष्मी पत्नी सुरेन्द्र कुमार वर्मा
निवास्ति प्लॉट नम्बर १२४/४४ बी ब्लॉक गांधीनगर
नगर शहर कानपुर की है।

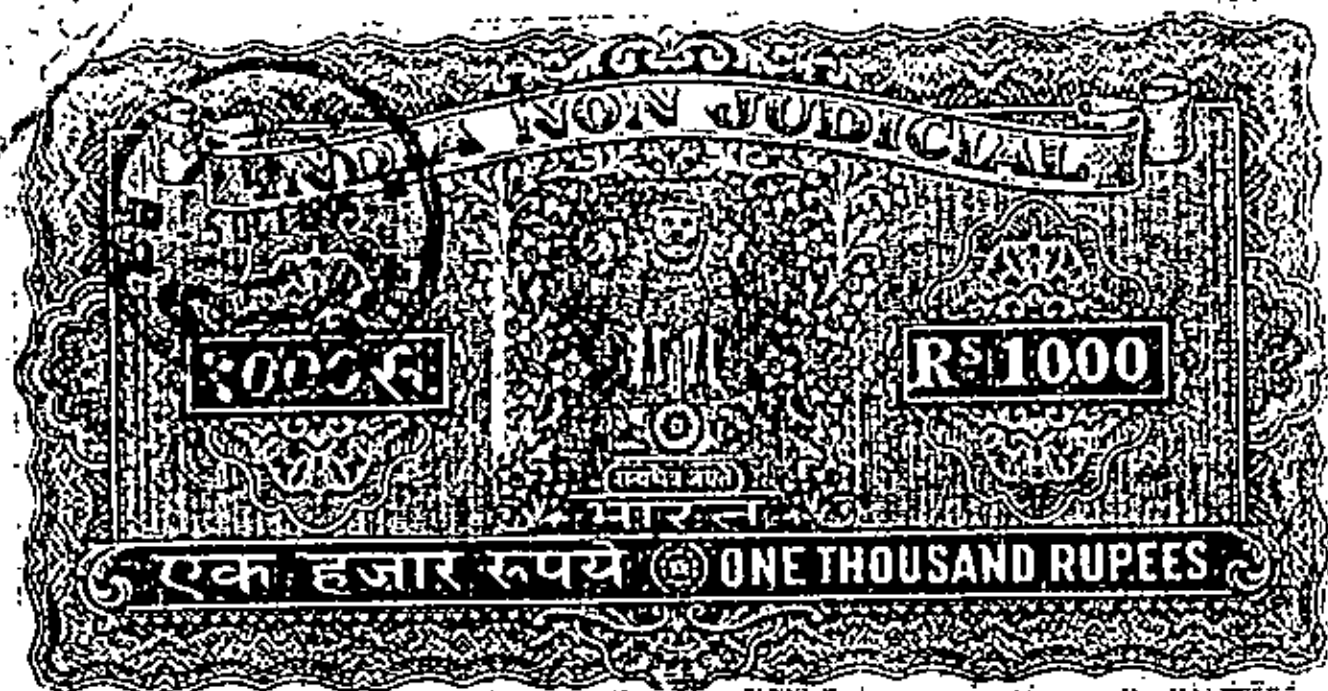
विदित है कि मिन मुक्ति का राजी मूषिपति नम्बरी
१०४४ एकठा ०, ३२८ ई० व १०६० एकठा ०, ०४१ ई०
कुल दो किता कुल एकठा ०, ३७६ ई० यानी १।।।०२ स्थित
माँबा बैरी ककड़ापुर कटार परगना व तहसील व जिला
कानपुर नगर के १।४ पाग की लवंगा मा हिक, का विज वदनील

राम लक्ष्मी
रामलक्ष्मी

२

५७८

890
7-8-10



(२)

संक्रमणीय प्रमाणित कारतकारिया है। मिन मुकिरा के दिखी
 र्थ अन्य कोई व्यक्ति हकदार व हिस्सेदार नहीं है, जो न
 ही मागीदार है। कच्चा भी मिन मुकिरी का है तथा नाम
 भी दर्ज कागजात सरकारी पुराजस्य कमिनेनो में बताना
 पित्तकियत है। मिन मुकिरा की ठकत आराजियात विवरण
 निम्नलिखित बाज दिन तक जुला बार फिकाहत से बरी
 पाक व साफ है। कहीं रुन, बय, हिबा, पुस्तगरक, कमानत
 कादि नहीं है तथा किसी डिगि व पुराये डिगि में कुर्र
 बयवा बरतरे नीताप नहीं है, तथा मिन मुकिरा की किसी
 न्यायालय या मोहक्का सरकारी द्वारा बाज दिन तक ठकत

राम लाला
 रामलाला

२



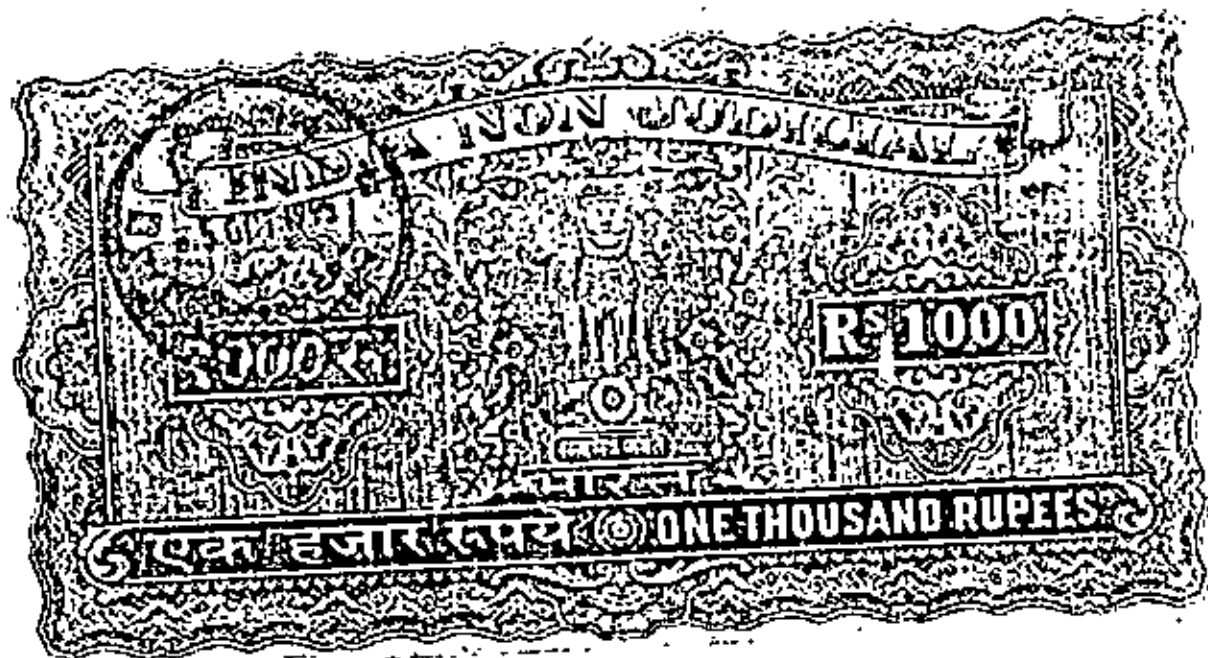
(3)

जायदाद का विक्रय वादि करने से भी नहीं रोक़ा गया है।
 उक्त जायदाद किसी न्यायालय या मोहकमा सरकारी द्वारा
 बाज़ दिन तक ख़वायर नहीं कीगयी है और न ही मिन
 पुकिरा का ख़वायर करने सम्बन्धी कोई नोटिस ही प्राप्त
 हुई है तथा मिन पुकिरा की उक्त जायदाद बैंक लोन आदि से
 बन्धक नहीं है तथा कोई इन्टरल धनकप टैक्स या रेल टैक्स की
 नहीं है। गरजे कि जायदाद उपरोक्त बाज़ दिन तक इसकार
 नेपाक व साफ़ है तथा मिन पुकिरा का उक्त आराजियात
 विवरण निम्नलिखित का बजरिये बयनामा विक्रय करने सम्बन्धी
 समस्त अधिकार मालिकाना हाकिम है। चूंकि मिन पुकिरा

राम लुला
 रामलुला

२

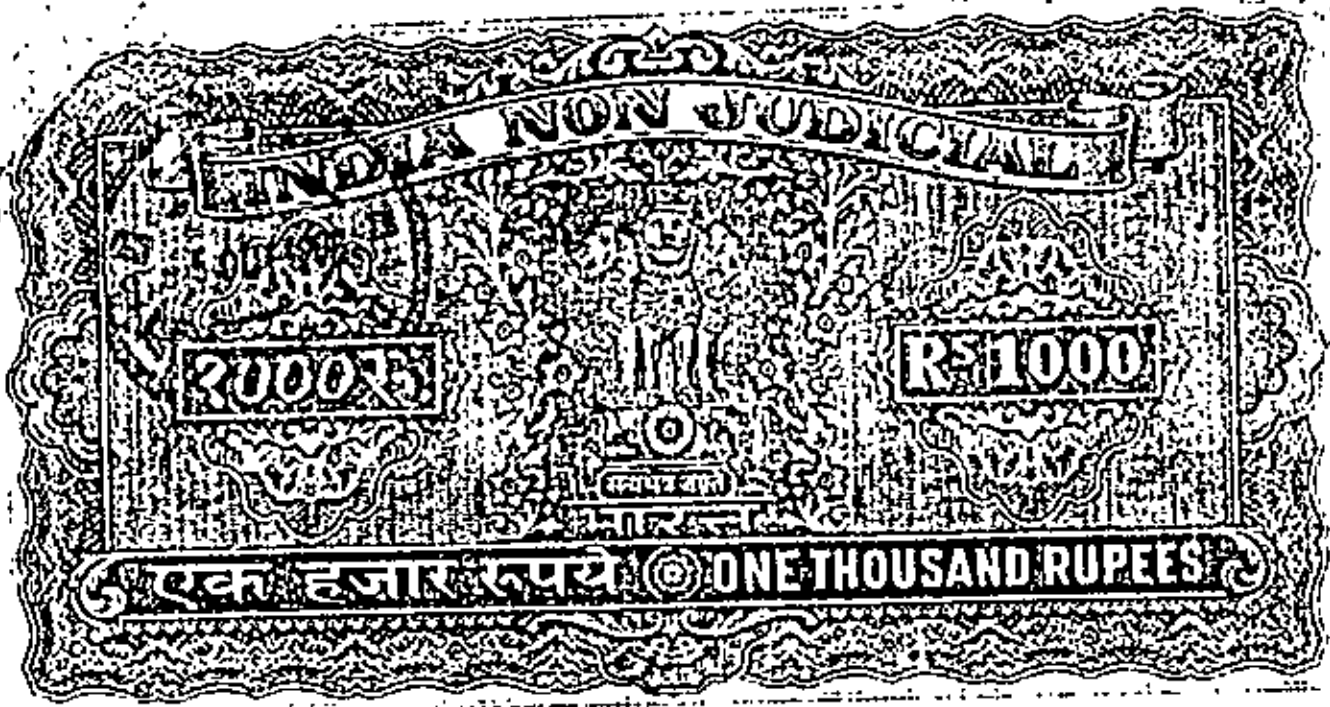
1000Rs.



(४)

को जारते तबे तामगी व अन्य वापरफरताओं की मुक्ति
 इस नमूना की सभी वापरफरता परवेश है, जो कि बिना
 मेरे दूधे वा राजियात उपरोक्त विषयों हस्त में भिन्न
 मुक्ति की जारत एक नहीं हो सकती है। जिहाज
 भिन्न मुक्ति ने हस्त वा राजियात विषयों निम्नलिखित
 को देना उचित समझा कि बेचने की बावत उपर उपर बात-
 पीत की तो उपरोक्त जारतियात को सब मातृक, का भिन्न
 वगैरह पहाड़ीर लकड़ीर बाबास सपिति ति० मुख्य कार्यस्थ
 निट्टी सेण्टर मातृरोंड हलर कानपुर उरिषी गभिय श्री २० ६० जे
 बातिग पुन श्री ३० ६० जे विभागी मकान नम्बर ७३ बारा० एत०

रामलाल
 रामलाल

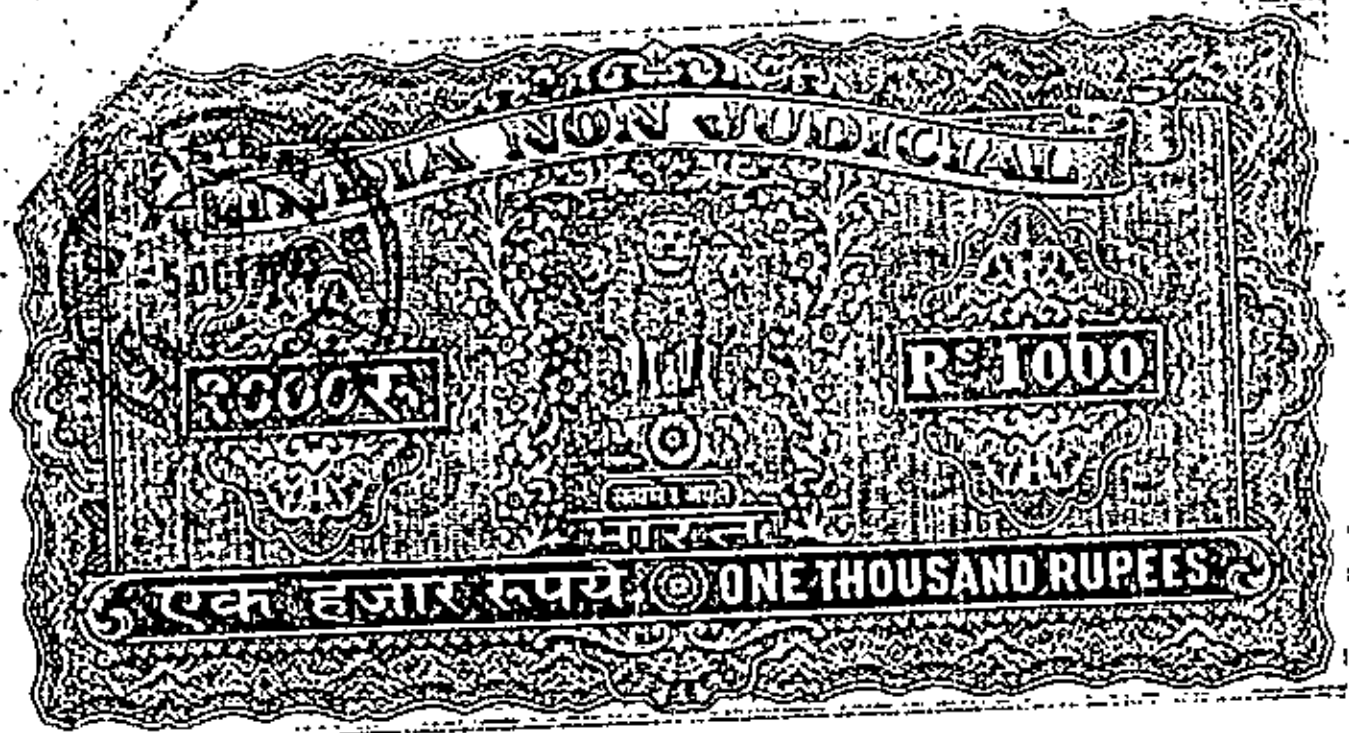


(५)

पुत्र काकादेव शहर कानपुर पिन स्पज मुबलिग
 ४६,२५०१- दिया तिरु वजार को लो पनाग रुपया
 र्म पिन पुकिर का १।४ भाग विवरण निम्नलिखित
 को मरीद करने पर तैयार व राजामन्द हैं, कीमत निम्नलिखित
 मुना तिरु व दाजिब हैं। तदा पिन पुकिर को मंजूर व
 तस्लीम हैं। इससे ज्यादा कीमत में उक्त जायदाद नहीं
 बिक सकता है। उपरोक्त मरीदार समिति ने उक्त दून
 वा राजियत का निरफ भाग फलें ही वह कारकला रान
 शिवप्रसाद वगैरह से क्रय कर लिया है। दिहाजा बहालत
 सेहत जात व तबात उक्त दून तस्लीम होश उबात बिना

रामलाल
 रामलाल

८



(६)

किसी दाब नाशायज के पय कुशा एक र हकूत दा गिरी
 व मारिजी शार व बायन्दा बिना होये हुए किसी बीज
 के पय हकूत मा लिफना व छन्तनाली नहिह मिल एवज

पुबलिग ४६,२५०।- हिया लिग हजार दो लो पचास रुपया
 बदस्तनहाबीर सहकारी आवास मणिति लि० मुख्य कार्यालय

सिटी सेंटर पाल रोड, शहर कानपुर नरिये मन्वि की १०६०

जैन बालिग पुत्र की जे० के० जैन नियाली पकान नम्बर ७३,

जारी० स्त० पुरम, काकादेव शहर कानपुर का स्थिय कर दिया

यानी बँच हाश तथा पिन पुकिरा ने कुल विक्रय पनराशि

पुबलिग ४६,२५०।- हिया लिग हजार दो लो पचास रुपया

बिस्के बाघे पुबलिग २३,१२५।- तेरेस हजार रूप लो पचीस

रुपया होतहैं, निम्न लिखित तफसील के अनुसार उपरोक्त

८

रामनली
 रामनली



(७)

सहीदार समिति से नकद वसूल पा लिया है। निम्न

जर तमन अब एक भी पैसा पाना जिम्मे सहीदार समिति

के श्रेण नहीं रह गया है। गिन मुकुरा ने आज की तारीख

ने जायदाद मुबैया हाजा ने अपना कच्चा बदल मा लिकाना

व वाकई कतई माँके ने हटा कर मिसल अपने कच्चा पदाल

मा लिकाना व वाकई जायदाद मुबैया हाजा पर आज की

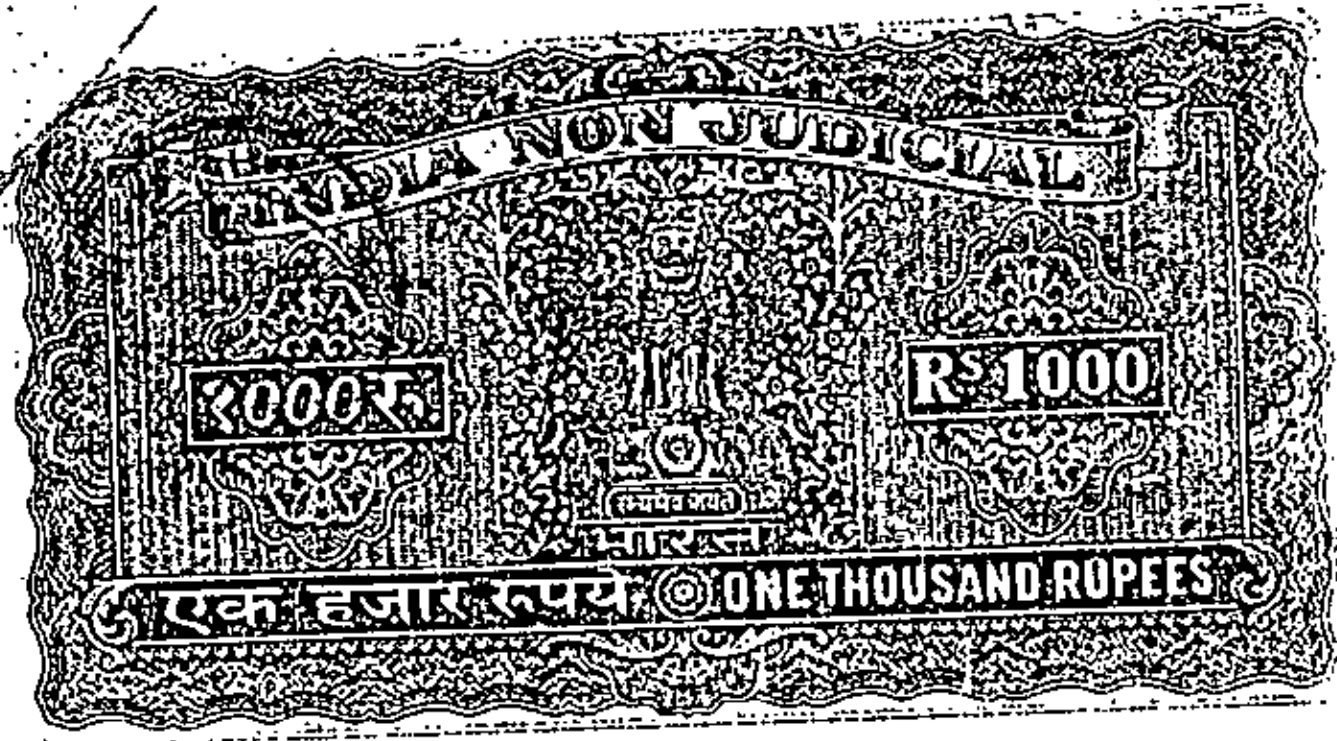
तारीख से सहीदार समिति का करा दिया तथा ना लिक,

का विकररा दिया, आज की तारीख से सहीदार समिति

जायदाद मुबैया हाजा का एक मात्र मा लिक, का विज व दमिल

हो गया तथा उसे कू अधिकार जायदाद मुबैया हाजा की

राम लाल
राम लाल

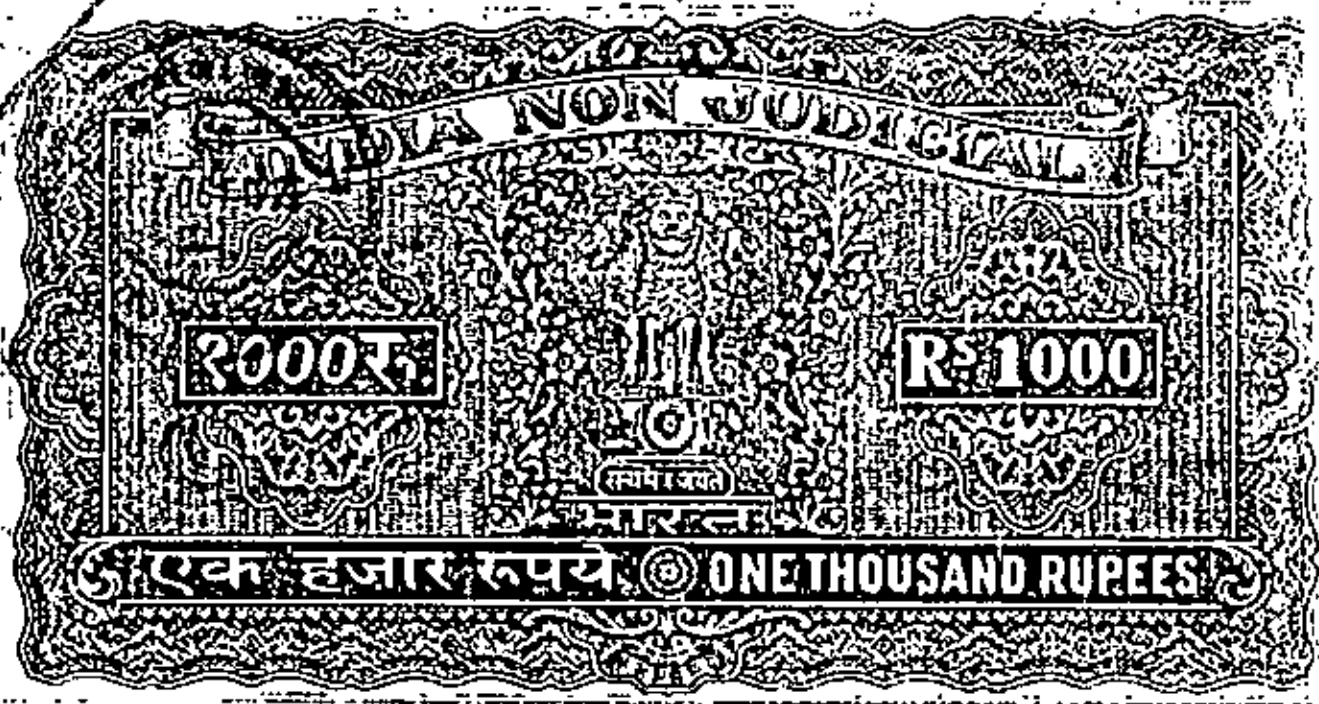


(८)

निम्नलिखित पाठिकाता, इन्तफादून, दानिहली व मारिजी हासय बाफ्दा के हागिह हो गये हैं। सब तरीदार नमिति को अधिकार होगा कि यह बाफ्दा पुर्वेया हाजा पर पाठिक, कायिज बदगील रह कर मिय प्रकार से चाहें अपने स्तेमकल व प्रयोग में जायें। हक पूकिरा व पारिमान पुकिरा व काय्य पुकामान आरिमान पुकिरा को कोई ठजुरा व स्तराज न होगा। तरीदार नमिति को बाहिर कि यह अपना नाम कागजात परकारी में बगाना मिहकिया दर्ज करा अये, तदा दर्ज नाम पिन पुकिरा स्तराज करा देवे। बिल्ली राजमन्दी इस बगाना हाजा द्वारा कसकी जायेगी। फिर

रामलाली
रामलाली

८



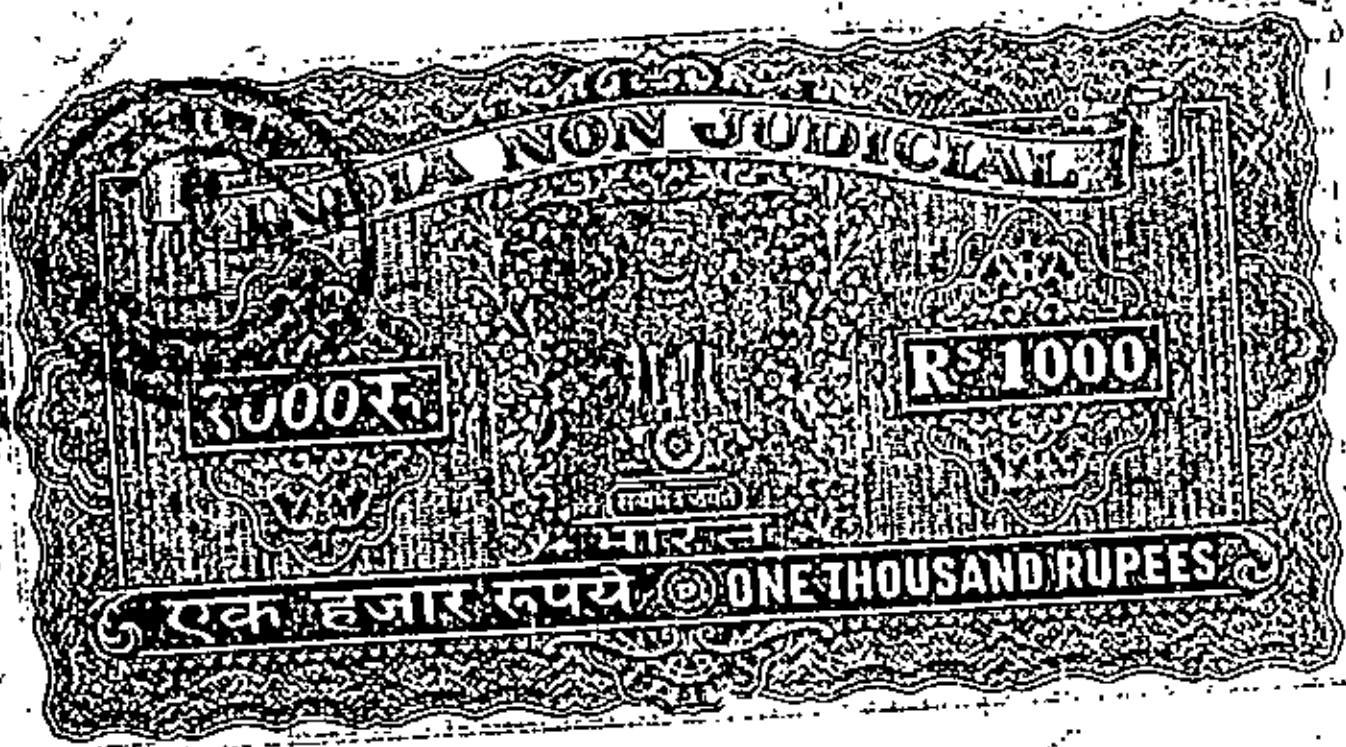
(1)

भी यदि कहीं जरूरत पड़े तो पुकिरा अपने तहरीर
 व नुबानी (जायदाद देने को) पागन्द रखेगी। फिर पुकिरा
 ने जायदाद उपरोक्त के पूर्ण रूप में पाक व शाफ होने
 का करीब व हतमिमान तरीदार गमिति को करा दिया
 है। फिर भी यदि पुकिरा के फते या तर्किले या मुयन
 मिलियत वादि की धरु में जायदाद पुयेया हाजा का कुन
 या दुज पाग कच्चा यदाल तरीदार गमिति के हक में निकल
 जाये या तरीदार गमिति को जायदाद पुयेया हाजा की
 निस्वत वाज दिन तक की शायत कुछ भी बदा या तफ
 काना पड़े तो ठकरी तारी जिन्दारी पुकिरा व धारि-

रामलाली
 रामलाली

२

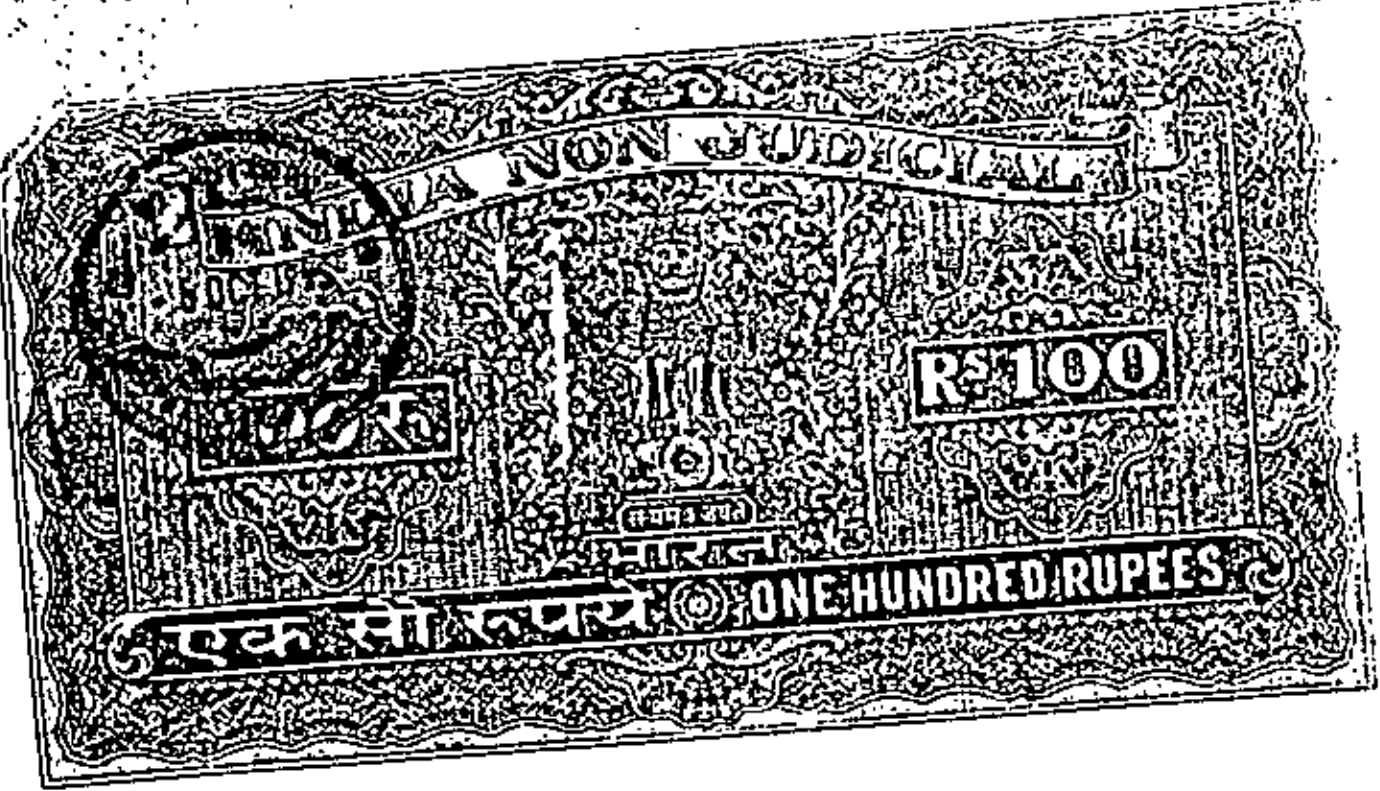
1000Rs



(१०)

ज्ञान मुक्ति व काय मुक्तमान वारिज्ञान मुक्ति की
 होगी, और मरिदा सतिनिधि को अधिकार होगा कि वह
 अपना कूट वर अपने मय हरा का कर्मा के मुक्ति की दीगर
 ज्ञान प्राप्त जायदाद मनकूटा व गैर मनकूटा से जिस प्रकार
 ने बाई दाम दाम नकद वस्तु पा लेवे। एतर्मु मुक्ति व
 वारिज्ञान मुक्ति व काय मुक्तमान वारिज्ञान मुक्ति
 को कोई ठगुर व स्तराज न होगा। गुहा शरायत दस्ता-
 वेज हाश की मायन्दन मुक्ति व वारिज्ञान मुक्ति व
 काय मुक्तमान वारिज्ञान मुक्ति पर हाजि व बाजि
 होगी।

राम लला
 राम लला



(६१)

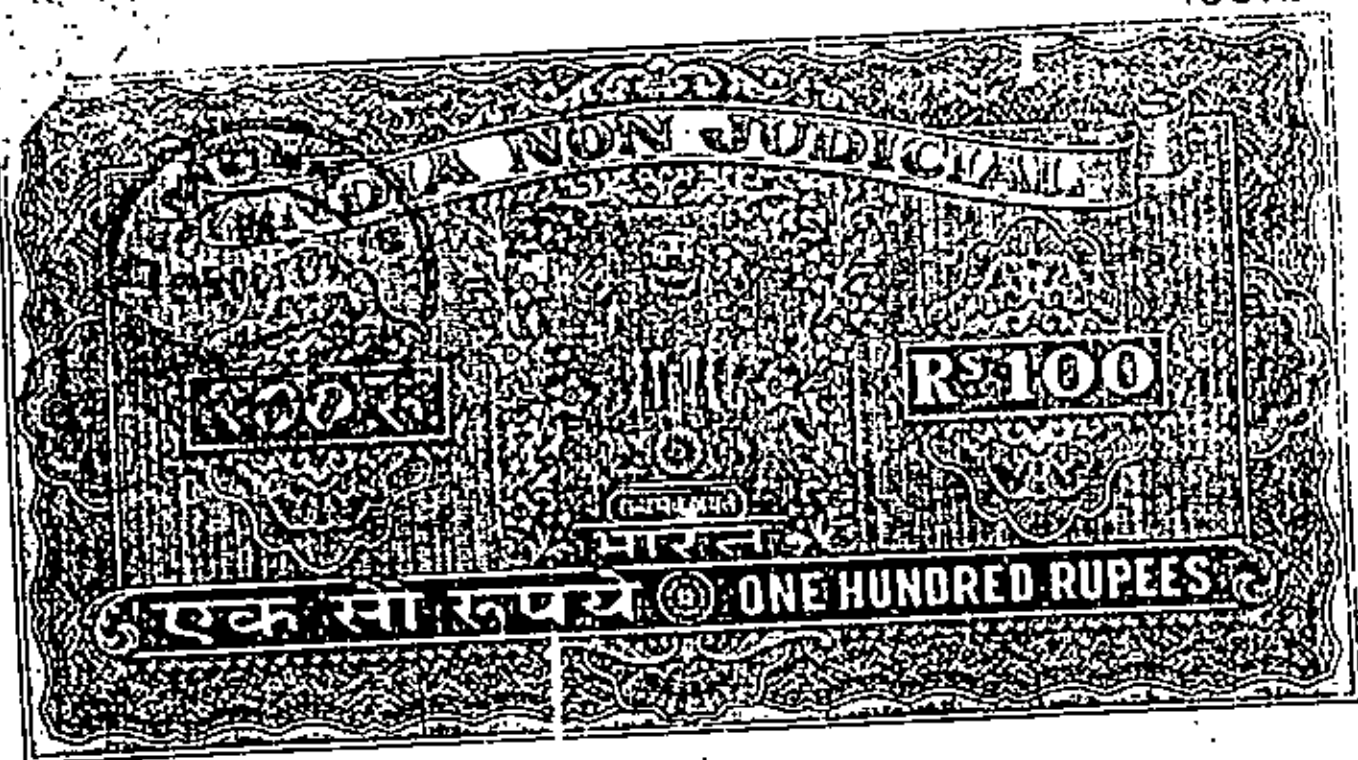
विद्याजा बहुहरति हाँश उपात विना किमी दान
 ताजायज के स्वस्थ, मन, बुद्धि, चित्त व उन्मिष्टियों की
 स्वस्थ दशा व विना किमी के व्यक्तियों बागलाये राजी
 भूति से यह चन्द क्लमात बतरीक बकामा कतर् त्हरा
 कर दिया ताकि क्मद रहे वारि यवत जहरत पर काम
 जाये।

विषय जाफाय मुबिया

जा रा जियात भूमिपरी नम्बरी १०४१ स्फ हजा
 गया लिम रुका ०, ३२८ ह० शुन्य दशमत्तव तीन दो जाठे

रामलक्ष्मी
 रामलक्ष्मी

७



(१२)

ह० य वाराजी पृथिवी नम्बरी १०६० स्फ हजार
 नब्बे रुपा ०. ०५१ ह० शून्य व्यपत्तय शून्य पांच स्फ
 ह० कुदो कित्ता कुल रुपा ०. ३७६ ह० पानी रुपा
 ११११२ स्फ बीधा सत्तल बिस्वा लिखत पाँजा बेरी
 बकवारपुर कटार परगना य सखीत व जिला कानपुर नगर
 का ११४ स्फ बटा चार भाग विक्रय किया गया है। भूमि
 बेचने कीबाशा श्रीमान सदास प्राधिका री महोदय नगर भूमि
 सीमारोपण कार्यालय पा रखती बागहा रोड शहर कानपुर
 में बजरिये पत्र संख्या ६८० कृणि भूमि गुन १६६५ ह० की

राम लाला
 राम लाला

८



(१३)

प्राप्त करती है। स्टाम्प डिप्टी सरकारी निर्देशानुसार
सर्किल रेट ३,००,०००/- रुपया प्रति एकड़ के हिसाब
से ७०,५००/- रुपया पर पुबलिग १०,२२५/- रुपया
की अदा कीगयी है। अब घेरा कोई हिस्सा बाँकी नहीं
रहा। दुकिरा अनुचितजाति एवं अनुचित जाति की
नहीं है। जोन नम्बर २ ब्लाक कल्यानपुर है।

बोर्डर-

पूरव- वा०नं० १०६१ राम कुमार , बाबुराम व राजकुमार

पश्चिम- वा०नं० १०८६ जेता पहाबीर सह०वा० समिति०

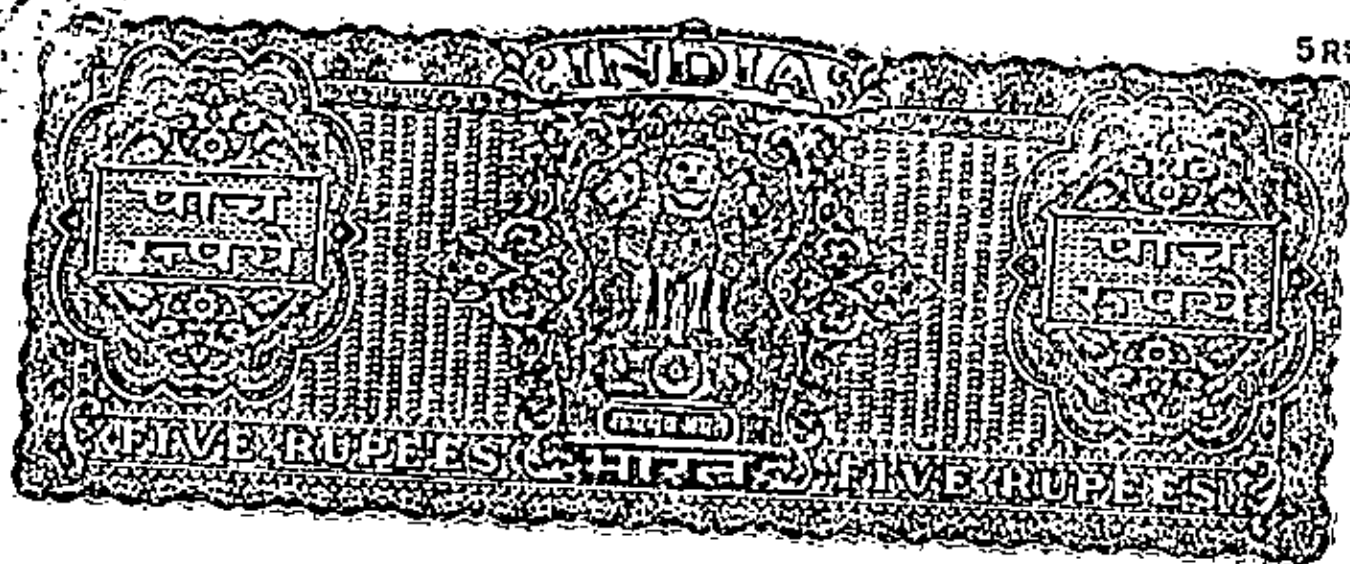
उत्तर- आराजी नम्बर १०६० का जुज भाग मिलिकियती जेता
पहाबीर सहकारी वावाय समिति

दक्षिण- बेरीअकवारपुर बांगर

तफसील बसुयाबी जरे जमन पुबलिग ४६,२५०/- किया लिस

राम लाल
राम लाल

८



(24)

मुबलिय ४६,२५०१- हिया लिन हजार तां तां पनाय

उपमा खिले श्रीवार तब राजस्वार महीदय कानपुर के
पुलिस ने उपरोक्त महीदार समिति से नन्द बहुत पा लिया
है। निम्नत जरा कम सब एक ही पीछा पाना जिम्मे तरी-
दार के शेष नहो रहा।

सदर तौर पर- १०-१०-१९९५ ई०

पवानर- सिद्धांत कविता राम लाला

गवाह-२ श्री. लालदेव शर्मा
श्री. सूर्यदेव शर्मा २०२२/०५/२२
श्री. २०२२/०५/२२

टा. ए. क. ता.
२०/१२/२०१८

राजेश कुमार सिंह,
भा.०१० ए३ कोर्ट कानपुर

DRAFTED BY ME

Ashfaq Khan
16/11/95 Ashfaq Khan
Advocate
Colin Compound, Kerdur